सरस्वती जी की आरती

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ।
सद्गुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता ।।ॐ जय सरस्वती...।।

चन्द्रबदनि पद्मासिनि, कृति मंगलकारी ।
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेज धारी ।।ॐ जय सरस्वती...।।

बाएं कर में वीणा, दाएं कर माला ।
शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियन माला ।।ॐ जय सरस्वती...।।

देवी शरण जो आए, उनका उद्धार कियो ।
विद्यादान प्रदायनि, ज्ञान प्रकाश भरो ।
मोह अज्ञान की निरखा, जग से नाश करो ।।ॐ जय सरस्वती...।।

धूप, दीप, फल, मेवा, माँ स्वीकार करो ।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो ।।ॐ जय सरस्वती...।।

माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावै ।
हितकारी सुखकारी ज्ञान भक्ति पावै ।।ॐ जय सरस्वती...।।

जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता,
सद्गुण वैभव शालिनी, सद्गुण वैभव शालिनी ।
त्रिभुवन विख्याता, जय जय सरस्वती माता ।।